बंधन

बंधन में मत बांधो हमको
जीने दो , हमें जीने दो ।
सपनों की अपनी दुनिया में
दूर गगन तक उड़ने दो ।
नन्ही – नन्ही हम कलियों पर
इतना बोझ भी मत डालो
ये मत करो, वो मत करो
कभी तो नियम बदल डालो ।
बेटी हूँ तो क्या हुआ ?
मेरे भी कुछ सपने हैं
इंद्रधनुष के सतरंगो में
दूर गगन तक उड़ने दो ।
मम्मी कहती पढ़ाई करों
पापा कहते ड्राइंग करो
दीदी कहती तंग मत करो
टीचर कहती याद करो।
कोई तो हमारी फरियाद सुनों
कभी तो छोटे बन करके
हमें बड़ा भी होने दो
जीने दो , हमें जीने दो ।
हम नही कहते पढ़ना सजा है
पर मस्ती का अपना मजा है
कापी किताबों की इस भीड़ में
कुछ पल हमारे भी होनें दो।
ईश्वर की इस सृष्टि में
हरी-भरी इस धरती पर
चिड़ियों की मधुर चहचहाट
कभी तो हमको सुनने दो।
कभी तो बेडर होकर हमको
इस दुनिया में जीनें दो
जीने दो , हमें जीने दो
दूर गगन तक उड़ने दो ।

परी वोहरा
VIII-C